अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा षष्ठम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

पच्चीस बोल, तत्त्वचर्चा, पच्चीस बोल की चर्चा, पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–20

प्र. 1 **पच्चीस बोल**–किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) कौन सी लेश्या रूक्ष व ठंडी है?

(ख) किस गुणस्थान में केवली के मन वाणी और शरीर की प्रवृत्ति चालू रहती है?

(ग) सत्य व असत्य के मिश्रण से होने वाली मन की प्रवृत्ति को कौन सा योग कहते हैं?

(घ) स्निग्ध स्पर्श की बहुलता से कौन सा स्पर्श होता है?

(ङ) किसी के कार्य में बाधा डालने से किस कर्म का बंध होता है?

(च) पर्याप्ति शब्द का अर्थ लिखें।

(छ) 'उपयोग' शब्द का अर्थ लिखें।

प्र. 2 **तत्त्वचर्चा**–किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) पाप व धर्म एक या दो?

(ख) जीव चोर या साहूकार? इसमें चोर शब्द का अर्थ लिखें।

(ग) बंध छह में कौन? नौ में कौन?

(घ) पुण्य व पुण्यवान एक या दो?

(ङ) धूप छांह छह में कौन? नौ में कौन?

(च) अधर्म और अधर्मास्तिकाय एक या दो?

(छ) छह द्रव्य में सप्रदेशी कितने? अप्रदेशी कितने?

प्र. 3 **पच्चीस बोल की चर्चा**–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें (किसमें व कौन-कौन से)– 6

(क) आठ कर्म किसमें–समुच्चय जीव के अलावा किसमें?

(ख) अठारह दण्डक।

(ग) बारह योग।

(घ) चार लेश्या।

(ङ) जीव के पांच भेद।

प्र. 4 **चतुर्भंगी**–किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 4

(क) इन्द्रिय किस कर्म का उदय?

(ख) योग जीव या अजीव?

(ग) किस भेद के जीव कम, किस भेद के अधिक?

(घ) लेश्या किस कर्म का उदय?

(ङ) किस आत्मा के जीव कम, किस आत्मा के अधिक?

(च) तुम्हारे में ध्यान कितने?

प्रतिक्रमण, जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खण्ड), कर्म प्रकृत्ति–20

प्र. 5 **जैन तत्त्व प्रवेश**–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) आत्म द्वार।

(ख) षडद्रव्य द्वार–जीवास्तिकाय से प्रारंभ कर अंत तक विवेचन करें।

(ग) निर्जरा के भेदों का पूर्ण वर्णन करें।

(घ) नौ तत्त्व द्वार।

प्र. 6 **प्रतिक्रमण**–निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) वंदना सूत्र ***अथवा*** सातवां व्रत के अतिचार लिखें।

प्र. 7 **कर्म प्रकृति**–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) चारित्र मोह की प्रकृतियों की स्थिति लिखें।

(ख) स्थावर दशक की अंतिम छह प्रकृतियों का वर्णन करें।

(ग) आयुष्य कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(घ) अपवर्तना व संक्रमण को विवेचित करें।

बावन बोल, इक्कीस द्वार, जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खण्ड)–20

प्र. 8 **बावन बोल**–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) जीव पारिणामिक के दस भेद छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ख) द्रव्य पुण्य, भाव पुण्य कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन नौ तत्त्व में कौन?

(ग) आठ आत्मा कितने भाव? कितनी आत्मा?

(घ) उदय के तैतीस बोलों में कौन-कौन आत्मा?

(ङ) आठ आत्मा में उदय भाव कितनी? यावत् पारिणामिक भाव कितनी?

प्र. 9 **इक्कीस द्वार**–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें (कितने व कौन-कौन से)– 6

(क) वचन योगी–योग, गुणस्थान, जीव के भेद, दृष्टि।

(ख) मिथ्यात्वी–पक्ष, आत्मा, लेश्या, दण्डक।

(ग) औपशमिक सम्यक्त्वी–दण्डक, भाव, वीर्य, लेश्या।

(घ) चक्षुदर्शनी–योग, गुणस्थान, उपयोग, आत्मा।

(ङ) अचरम–उपयोग, भाव, आत्मा, पक्ष।

प्र. 10 **जैन तत्त्व प्रवेश**–निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) देव और नारक की पृच्छा लिखें। ***अथवा*** प्रमाण द्वार को प्रारंभ से लिखते हुए सप्तभंगी तक लिखें।

(ख) व्रताव्रत द्वार–चारित्र के अधिकारी निर्ग्रंथ से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें। ***अथवा*** उपासक प्रतिमा द्वार–पांचवी, आठवीं व ग्यारहवीं प्रतिमा लिखें।

लघु दण्डक व पांच ज्ञान–20

प्र. 11 **लघु दण्डक**–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) उत्पत्ति द्वार।

(ख) ज्योतिष देवों की स्थिति–तारा को छोड़ कर लिखें।

(ग) लेश्या द्वार–भवनपति से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

(घ) तिर्यंच पंचेन्द्रिय की स्थिति लिखें।

(ङ) गति आगति द्वार–नौंवे देवलोक से प्रारंभ करते हुए संज्ञी मनुष्य तक लिखें।

प्र. 12 **पांच ज्ञान**–निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) मनःपर्यवज्ञान–क्षेत्रतः लिखें ***अथवा*** श्रुत के समुच्चय रूप से चारों प्रकारों की व्याख्या करें।

(ख) अवधिज्ञान को परिभाषित करते हुए वर्धमान अवधिज्ञान की व्याख्या करें ***अथवा*** अवधिज्ञान के द्वारा देखने की शक्ति का यंत्र लिखें।

संजया नियंठा–20

प्र. 13 **संजया**–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) छेदोपस्थापनीय–अंतर द्वार लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट अंतर किस अपेक्षा से है?

(ख) सूक्ष्म संपराय–आकर्ष द्वार लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट स्थिति किस प्रकार घटित होती है।

(ग) छेदोपस्थापनीय–स्थिति द्वार लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट स्थिति किस प्रकार घटित होती है।

(घ) सामायिक चारित्र–गति स्थिति पदवी द्वार लिखते हुए बताएं कि पल्योपम किसे कहते हैं?

प्र. 14 **नियंठा**–कोई दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) पुलाक काल द्वार, कषाय कुशील आकर्ष द्वार, निर्ग्रंथ-प्रवज्या द्वार, स्नातक–परिणाम स्थिति।

(ख) पुलाक–स्थिति द्वार लिखते हुए बताएं कि जघन्य समय के पीछे क्या अपेक्षा है?

(ग) निर्ग्रंथ–अंतर द्वार लिखते हुए बताएं कि जघन्य उत्कृष्ट अंतर की स्थिति किस प्रकार घटित होती है?

नोट : प्रश्न का उत्तर लिखते समय प्रश्न संख्या अवश्य लिखें, अन्यथा नम्बर काटें जाएंगे।